

फूँक स्त्री. (देश.) 1. मुँह को गोल करके वेगपूर्वक छोड़ी जाने वाली हवा, 2 मंत्र आदि का उच्चारण करने के पश्चात् की जाने वाली उक्त क्रिया जिसे ओझा आदि रोगी अथवा भूत-बाधा से पीड़ित व्यक्ति को ठीक करने के लिए करते हैं (झाड़ फूँक) 3. प्राण, श्वास, साँस प्रयो. फूँक निकलते ही सब यहीं रखा रह जाएगा।

फूँकना स.क्रि. (देश.) 1. ओठों को गोलाकार करके मुख से वेगपूर्वक हवा छोड़ना, फूँक मारना 2. मंत्र आदि पढ़कर फूँक मारना जो ओझा आदि रोगियों तथा भूत बाधा आदि से पीड़ितों की चिकित्सा के लिए करते हैं 3. बाँसुरी, शंख आदि को फूँक से बजाना 4. चूल्हे, अंगीठी आदि की आग को फूँक की हवा से तेज करना 5. जलाना प्रयो. प्रदर्शनकारियों ने बस फूँक दी आयु. 1. स्वर्णादि धातुओं को भस्म करना 2. धन, संपत्ति आदि को व्यर्थ गवाना या नष्ट करना।

फूँका पु. (देश.) 1. फूँकने की क्रिया, नली से आग फूँकना 2. बाँस की नली से जलन उत्पन्न करने वाली ओषधियाँ भरकर गाय, भैंस आदि की योनि में लगाकर फूँकना जिससे उनका सारा दूध बाहर निकल आए 3. बाँस, धातु आदि से बनी वह नली जिससे फूँक मारी जाती है 4. फफोला, फोड़ा।

फूँदी स्त्री. (देश.) 1. फुंदना, फूंद 2. फंदा 3. ग्रंथि, गाँठ 4. कमर में लपेटी धोती आदि की गाँठ 5. सूत, रेशम आदि का गुच्छा या फुंदना जो वस्त्रों अथवा आभूषणों में शोभा बढ़ाने के लिए लगाए जाते हैं।

फूट स्त्री. (देश.) 1. फूटने की क्रिया अथवा भाव 2. वैर, विरोध अथवा वैमनस्य के कारण होने वाला भेद 3. एक प्रकार की बड़ी ककड़ी जो पकने पर फूट जाती है।

फूटना अ.क्रि. (तद्.) (सं.स्फुटन) 1. करारी, कड़ी अथवा ठोस वस्तु का आघात से थोड़ा टूट जाना, करकना, दरकना आदि 2. ऐसी वस्तुओं का फटना जिनका अंदर का भाग पोला हो अथवा मुलायम या पतली चीज से भरा हो 3. भर जाने

के कारण आवरण फाड़कर निकलना जैसे- फोड़ा फूटना 4. शरीर के किसी विकार का शरीर पर दाने या घाव के रूप में प्रकट होना 5. नष्ट होना, बिगाड़ना जैसे- घड़ा फूटना 6. कली का खिलना, प्रस्फुटित होना 7. अंकुर, शाखा आदि का निकलना 8. बिखरना, फैलना, व्याप्त होना जैसे- प्रकाश, फूटना 9. पक्ष छोड़ना, दूसरे पक्ष में सम्मिलित हो जाना 10. शब्द का मुख से निकलना 11. व्यक्त, प्रकट या प्रकाशित होना 12. गुह्य, गुप्त बात अथवा रहस्य का प्रकट हो जाना 13. बाँध, खेत की मेंड आदि का जल के प्रबल वेग से टूट जाना 14. जोड़ों में दर्द होना 15. खराब हो जाना, बिगड़ जाना। जैसे- आँख फूटना, तकदीर फूटना आदि।

फूफा पुं. (अनु.) फूफी या बूआ का पति।

फूफी स्त्री. (अनु.) बूआ, पिता की बहिन।

फूफू स्त्री. (देश.) फूकी, पिता की बहन, बुआ।

फूल पुं. (तद्.सं-फुल्ल) 1. पौधों का जननेंद्रिय रूप अथवा फलोत्पादक वह अंग जो सुंदरता एवं सुकुमारता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, कली का खिला हुआ रूप, पुष्प, सुमन, कुसुम आदि 2. वस्त्र आदि पर फूल के आकार के बनाए गए बेल-बूटे 3. फूल के आकार के आभूषण जैसे- कर्णफूल, शीशफूल आदि 4. कुष्ठ रोग के कारण शरीर पर पड़ जाने वाले श्वेत या लाल दाग 5. स्त्रियों का मासिक स्राव, रज, पुष्प 6. गर्भाशय 7. शव-दाह के बाद बचने वाली अस्थियाँ, अस्थि-अवशेष 8. मुसलमानों में तीसरे या पाँचवें दिन का फातिहा 9. ताँबे तथा राँगे के मेल से बनने वाली एक मिश्र धातु 10. पीतल आदि की बनी घुंडी 11. दीपक आदि की बत्ती का जला हुआ अंश 12. सार 13. पहली बार खींची हुई शराब 14. घुटने की गोल हड्डी स्त्री. 1. फूलने का भाव, उमंग, आनंद 2. फूलने की क्रिया, फुलावट।

फूलकारी स्त्री. (तत्.) वस्त्रों आदि पर बेल-बूटे बनाने की कला।

फूलगोभी स्त्री. (देश.) गोभी का एक भेद जिसका फूल सब्जी के रूप में खाया जाता है।